RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI
नवसर्जन संस्कृति
नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 295
दि. 26.02.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'दंगे-कर्फ्यू से आगे बढ़कर दीपोत्सव और निवेश की पहचान बना यूपी': टोक्यो में बोले सीएम योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जापान के टोक्यो में निवेशकों और भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगे और कर्फ्यू से आगे बढ़कर दीपोत्सव और वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है।

लखनऊः (जीएनएस)। जापान दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टोक्यो में भारतीय समुदाय और निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अब दंगे और कर्फ्यू की खबरों से आगे बढ़कर दीपोत्सव, महाकुंभ और वैश्विक निवेश की पहचान बन चुका है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में प्रदेश ने कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले प्रदेश में कनेक्टिविटी का संकट था, सड़कें जर्जर थीं और बिजली आपूर्ति बाधित रहती थी। 'हम सूर्यपुत्र हैं, हमें सूर्य जैसी रोशनी चाहिए,' कहते हुए उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने प्रदेश में चौबीसों घंटे बिजली और बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की है।

कार्यक्रम में गूंजे 'योगी-योगी' के नारे

टोक्यो में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन कर रहीं छात्राओं की मुख्यमंत्री ने सराहना की। संबोधन के बाद उन्होंने बच्चियों के साथ फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान सभागार 'योगी-योगी' के नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, सलाहकार अवनीश अवस्थी और भारत की राजदूत नगमा एम. मलिक भी उपस्थित रहीं।

यीडा में 500 एकड़ में विकसित होगी जापान इंडस्ट्रियल सिटी

जापान पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने टोक्यो में रोड शो कर उद्योगपतियों और निवेशकों को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पास 500 एकड़ भूमि पर जापान इंडस्ट्रियल सिटी विकसित की जा रही है।

इस इंडस्ट्रियल सिटी का उद्देश्य जापानी उद्योगों को क्लस्टर आधारित निवेश, बेहतर कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और निर्यात सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि उत्तर प्रदेश एशिया के प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में उभरे।

यूपी बना देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार

मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। पिछले नौ वर्षों में राज्य की

अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

देश की 11 प्रतिशत कृषि भूमि के बावजूद उत्तर प्रदेश लगभग 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन करता है।

निवेश के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग का 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उत्पादन का 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में हो रहा है। इससे फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और एग्री-लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ

मोबाइल से सेमीकंडक्टर तक

डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, वेयरहाउसिंग और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की अपार संभावनाएं हैं।

प्रदेश के पास 75,000 एकड़ का लैंड बैंक उपलब्ध है, जबकि बुंदेलखंड क्षेत्र में 56,000 एकड़ में नया औद्योगिक शहर विकसित किया जा रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ

15 लाख करोड़ की परियोजनाएं जमीन पर

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि 2023 में आयोजित वढ ऋंड्ढ' क्ल्ल५ी२३ड्ढ१२ २४३ 2023 में 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं जमीन पर उतर चुकी हैं, जबकि 7 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं प्रक्रिया में हैं।

उत्तर प्रदेश आज सुरक्षित माहौल, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और युवा कार्यबल के कारण निवेशकों के लिए भारत का सबसे बेहतर राज्य बनकर उभरा है।

सरकार स्थानीय उत्पादन और निर्यात को लेकर रक्षा क्षेत्र के स्वदेशी उद्योग की क्षमता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित, रक्षा मंत्री

विजन को पूरा करने में भारतीय राजनयिकों की भूमिका महत्वपूर्ण : रक्षा मंत्री द्वारा भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधन

(जीएनएस)।

भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने 25 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। अधिकारियों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत रक्षा क्षेत्र के स्वदेशी उद्योग की क्षमता को स्थानीय उत्पादन और निर्यात दोनों के लिए विस्तारित करने के भारत सरकार के दृढ़ संकल्प से अवगत कराया और इस परिकल्पना को साकार करने में भारतीय राजनयिकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को आत्मसात करने की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भारत रक्षा उपकरणों के प्रमुख आयातक से लेकर सभी क्षेत्रों में निमार्ता और निर्यातक बनने तक का लंबा सफर तय कर चुका है।

श्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक समुदाय भारत के विकास की गाथा पर बारीकी से नजर रख रहा है और इसकी

नेतृत्वकारी भूमिका की सराहना कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को ईमानदारी और निष्ठा के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि भारत की सकारात्मक छवि को और बेहतर किया जा सके। उन्होंने उनसे कहा कि विदेश में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय वे हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि वे 1.4 बिलियन भारतीयों की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने उनसे हर संस्कृति के नए विचारों, लोगों और दृष्टिकोणों के प्रति खुले रहने और भारत की सभ्यतागत ज्ञान के मूल्यों को अपने साथ रखने का आग्रह किया। उन्होंने प्रतिष्ठित भारतीय विदेश सेवा में शामिल होने के लिए उनके द्वारा किए गए परिश्रम हेतु उन्हें बधाई दी।

इस संवाद से पहले, प्रशिक्षु अधिकारियों को रक्षा मंत्रालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा रक्षा कूटनीति की विभिन्न पहलों, रक्षा बजट, तीनों सेनाओं के संयोजन और रक्षा संबंधी खरीद के बारे में जानकारी दी गई। इस बैच में 55 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल थे, जिनमें 53 भारतीय प्रशिक्षु और भूटान के 2 प्रशिक्षु थे।

प्रधानमंत्री के 'अष्टलक्ष्मी' और राष्ट्रीय एकीकरण के विजन को आगे बढ़ाना

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अष्टलक्ष्मी दर्शन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के 12वें बैच के साथ वर्चुअली बातचीत की राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संगम को मजबूत करने के लिए युवाओं का जुड़ाव

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डीओएनईआर) मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बुधवार को, अरुणाचल प्रदेश के राजीव गांधी विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के साथ वर्चुअली बातचीत की। ये विद्यार्थी 18 फरवरी से 3 मार्च, 2026 तक होने वाले अष्टलक्ष्मी दर्शन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों का यह 12वां बैच है।

इस सत्र में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव, और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और पूर्वोत्तर परिषद के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अष्टलक्ष्मी दर्शन विशेष यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम है जिसे पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने देश के अलग-अलग इलाकों के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता को प्रगाढ़ करने और उनके बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए आयोजित और वित्त पोषित किया है। 14 दिन के गहन अनुभव के तौर पर डिजाइन किए गए इस कार्यक्रम में शैक्षिक सत्र, विरासत स्थलों की यात्रा, सांस्कृतिक आदान प्रदान और समुदाय चर्चा शामिल हैं।

इस पहल में 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,280 विद्यार्थियों के 32 बैच में हिस्सा लेने की योजना है, जिससे उन्हें पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों को जानने समझने का अवसर मिलेगा। यह कार्यक्रम लड़के और लड़कियों की बराबर हिस्सेदारी सुनिश्चित करता है, जो सरकार की समावेशी और युवा सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता को दिखाता है। 12वें बैच में झारखंड और पुडुचेरी से 20-20 विद्यार्थी शामिल हैं। अब तक, अलग-अलग राज्यों के 471 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में हिस्सा ले चुके हैं।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए, श्री सिंधिया ने जोर दिया कि यह कार्यक्रम पूर्वोत्तर और शेष भारत के बीच विचारों, संस्कृतियों और उम्मीदों का सार्थक संगम बनाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दिखाता है।

पूर्वोत्तर के आठ राज्यों — अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम — को 'अष्टलक्ष्मी' बताते हुए, उन्होंने विद्यार्थियों को इस इलाके की भाषाओं, परंपराओं और विकास की संभावनाओं के बारे में समझ बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंत्री ने कहा, 'आप संगम के इस ताने-बाने को बुनने का हिस्सा हैं।' उन्होंने कहा कि इस तरह के आदान-प्रदान विविधता में एकता को बढ़ावा देते हैं और विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान देते हैं।

रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान ने 'मित्रा' विषय पर आयोजित वार्षिक संगोष्ठी को संबोधित किया

रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान ने 24 फरवरी, 2026 को सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय (सीडीएम) में कहा कि जैसे-जैसे युद्ध भौतिक से कृत्रिम और संज्ञानात्मक क्षेत्रों तक विस्तारित हो रहा है, भारतीय सशस्त्र बलों को नेट-केंद्रित अभियानों से हटकर बुद्धिमान युद्ध की ओर अग्रसर होना चाहिए और बहु-क्षेत्रीय अभियानों (एमडीओ) से आगे बढ़कर सर्वक्षेत्रीय सर्वक्षेत्रीय अभियानों (एआरएडीओ) की ओर बढ़ना चाहिए।

नेतन्याहू ने बताया 'एशिया का शेर' तो पीएम मोदी बोले- इजरायल फादर लैंड, इंडिया मदरलैंड

(जीएनएस)।

इजरायली संसद नेसेट में मोदी-मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ऐतिहासिक संबोधन में भारत-इजरायल की दोस्ती को याद किया और गाजा शांति पहल का समर्थन किया. दो दिन की इजरायल यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जोरदार स्वागत किया गया. इजरायली संसद नेसेट में मोदी-मोदी के नारों के बीच पीएम मोदी ने अपने ऐतिहासिक संबोधन में भारत और इजरायल की दोस्ती को याद किया और कहा कि हम हर मुश्किल वक्त में एकदूसरे के साथ खड़े हैं. भारत ने हमेशा इजरायल का सपोर्ट किया है. उन्होंने गाजा शांति पहल को पूरे क्षेत्र के लिए न्यायपूर्ण और स्थायी शांति का मार्ग बताया. पीएम मोदी ने बताया 17 सितंबर,

1950 को जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन भारत ने इजरायल को मान्यता दी थी. पीएम ने इजरायल को फादर लैंड और इंडिया को मदरलैंड बताया और कहा कि हमें इस पर गर्व है.

इससे पहले, इजरायली संसद में नेतन्याहू ने अपने संबोधन में पीएम मोदी को दोस्त से बढ़कर एक भाई की तरह बताया. उन्होंने पीएम मोदी को एशिया का शेर बताते हुए उनके गले लगाने के तौर-तरीके की तारीफ करते हुए कहा कि इसने भारत-इजरायल संबंधों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई है. पीएम मोदी जब इजरायल की संसद पहुंचे तो मोदी-मोदी के नारों के साथ उनका स्वागत किया गया. प्रधानमंत्री के संबोधन के आखिर में भी इजरायली संसद नेसेट मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठी. इजरायली सांसदों में पीएम मोदी से हाथ मिलाने की होड़ नजर आई. इजरायली संसद में पीएम मोदी को कई बार स्टैंडिंग ओवेशन दिया गया. इस दौरान जय हिंद और वंदे मातरम की गूंज भी सुनाई दी. पीएम मोदी को नेसेट का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया. इससे पहले पीएम मोदी के तेल अवीव पहुंचने पर नेतन्याहू अपनी पत्नी के साथ अगवानी के लिए पहुंचे।

हिंदी नागरिकों की चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने और अपेक्षाकृत अधिक समावेशी लोक सेवा प्रदायगी को सक्षम बनाती है: डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर

दूरसंचार विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक नई दिल्ली में केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

समिति ने दूरसंचार विभाग और उसके संबद्ध कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा की।

डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा, हिंदी देश भर के करोड़ों नागरिकों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में कार्य करती है।

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक आज, 25 फरवरी, 2026 को डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ, नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने की। बैठक में दूरसंचार विभाग और उसके अधीनस्थ, संबद्ध और स्वायत्त कार्यालयों के कार्यालय अध्यक्षों और गैर-सरकारी सदस्यों ने भाग लिया।

मंत्री जी ने वर्ष 2025 के दौरान उक्त कार्यालयों में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की व्यापक समीक्षा की और हिंदी को बढ़ावा देने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

प्रशासन, प्रशिक्षण, पत्राचार और डिजिटल संचार सहित सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को गति प्रदान करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने से दूरसंचार क्षेत्र में प्रशासनिक दक्षता और तकनीकी उन्नति को भी अवश्य बढ़ावा मिलेगा।

समिति के सदस्यों ने विभाग के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए। अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि सभी व्यावहारिक सुझावों पर उचित कार्रवाई करने के लिए उनकी विधिवत जांच की जाएगी।

डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि हिंदी देश भर के करोड़ों नागरिकों के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में कार्य करती है, जिससे सरकार उनकी चिंताओं, आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से समझ सकती है, और सार्वजनिक सेवाओं को अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी ढंग से और समावेशी रूप से प्रदान कर सकती है।

दूरसंचार विभाग और उसके अधीनस्थ और संबद्ध कार्यालयों में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई। समिति ने विभाग और उसके कार्यालयों में राजभाषा पदों की स्थिति की जांच की। बैठक दूरसंचार विभाग में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को और सुदृढ़ बनाने के संकल्प के साथ संपन्न हुई। हिंदी सलाहकार समिति संविधान, राजभाषा अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों में निहित राजभाषा से संबंधित प्रावधानों के कार्यान्वयन के संबंध में सरकार को सलाह देती है। समिति राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों और केंद्रीय हिंदी समिति के निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा करती है। यह दूरसंचार विभाग और उसके अधीनस्थ, संबद्ध, स्वायत्तशासी और सांविधिक निकायों, प्रशिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित करते हुए हिंदी के प्रगामी प्रयोग के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

भारत रणभूमि दर्शन अभियान में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ध्वजारोहण किया

(जीएनएस)।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में विशिष्ट नागरिक और रक्षा गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में भारत रणभूमि दर्शन अभियान को झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अभियान का नेतृत्व भारतीय सेना की तोपखाना रेजिमेंट ने किया। सेना प्रमुख ने इस अवसर पर इसकी राष्ट्रीय महत्वता और रणनीतिक पहुंच की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे प्रयास भारत की समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हैं और वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के सर्वोच्च आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अभियान ने रणभूमि दर्शन पहल को भी बढ़ावा दिया और ऐतिहासिक

रूप से महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्रों और सीमावर्ती क्षेत्रों पर राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जो भारत की सुरक्षा रणनीति का आधार हैं।

गुजरात के तटीय शहर द्वारका से 3 फरवरी 2026 को आरंभ हुई 3,400 किलोमीटर लंबी एसयूवी यात्रा ने गुजरात और राजस्थान के प्रमुख युद्धक्षेत्रों और अग्रिम क्षेत्रों को पार किया, जिनमें कच्छ का रण और थार रेगिस्तान भी शामिल थे। अंत में यह यात्रा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर समाप्त हुई। इस यात्रा मार्ग में द्वारका, भुज, कच्छ का रण, मुनाबाओ, गडरा, लोंगेवाला, जैसलमेर, बीकानेर, अंबाला और नई दिल्ली शामिल थे। यह यात्रा सीमावर्ती सड़कों और पगडंडियों से गुजरी, जिससे दूरस्थ सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी का प्रदर्शन हुआ और परिचालन तत्परता तथा आम नागरिकों की पहुंच दोनों को सुगम बनाने वाले उन्नत बुनियादी ढांचे को रेखांकित किया गया।

पुडुचेरी में पीएमजीकेएवाई के अंतर्गत सीबीडीसी आधारित खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट परियोजना शुरू होगी

पायलट परियोजना का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी उपराज्यपाल श्री के. कैलाशनाथन एवं मुख्यमंत्री श्री एन. रंगास्वामी की उपस्थिति में करेंगे

(जीएनएस)। केंद्र सरकार भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को मजबूत करने एवं सब्सिडी वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 26 फरवरी 2026 को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के अंतर्गत केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) आधारित खाद्य सब्सिडी वितरण पायलट परियोजना शुरू करेगी।

इस पायलट परियोजना का उद्घाटन केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद

माहे रमजान में रोजा इफ्तार का दौर जारी, मौला बक्स कालोनी में अख़्तर सलमानी, अकबर सलमानी ओमान के द्वारा रोजा इफ्तार का आयोजन

सलोंन, रायबरेली। नगर पंचायत सलोंन में माहे रमजान के पहले दिन से ही रोजा इफ्तार का दौर जारी है। इसी क्रम में आज मिल्कियाना पूर्वी वार्ड के मौला बक्स कालोनी में अख़्तर सलमानी,अकबर सलमानी ओमान के द्वारा रोजा इफ्तार का आयोजन हुआ। इस मुबारक मौके पर समाजसेवी पूर्व चेयरमैन प्रत्याशी मोहम्मद इरफान सिद्दीकी, सभासद मो.फिरोज इद्रीसी, पूर्व सभासद इसरार हैदर(रानू), सभासद शरीफ (गड्डू), मो.जैद मेवाती, रईस इद्रीसी,आजम मेवाती ,तनवीर सलमानी, नदीम मेवाती , पापा सलमानी (जीएनएस)। अशरफ कुरैशी, सैफ इद्रीसी, आफाक मछली वाले, आदि लोग सैकड़ों की संख्या में मौजूद रहे । इफ्तार के बाद नमाज अदा की गई, व मुल्क के अमन चैन की दुआएं की गई।

इंग्लैंड के आवाज एफएम 99.8 मेगाहट्‌र्ज रेडियो स्टेशन से गायक आशीष शर्मा के गीत प्रसारित

प्रयागराज। नैनी, प्रयागराज निवासी युवा गायक आशीष शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी गायकी का परचम लहराया है। इंग्लैंड के साउथैम्पटन यूनाइटेड किंगडम स्थित प्रसिद्ध रेडियो स्टेशन आवाज एफ 99.8 टव्ह९ से उनके दो गीतों का सफलतापूर्वक प्रसारण किया गया।

प्रसारित गीतों में पहला गीत 'अब क्या मिसाल दूं' तथा दूसरा लोकप्रिय गीत 'एक हसीन शाम को दिल मेरा खो गया' शामिल रहा। विदेश की धरती से भारतीय कलाकार की आवाज गूंजने पर क्षेत्रवासियों एवं संगीत प्रेमियों में खुशी और गर्व का माहौल है।

आशीष शर्मा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने श्रोताओं, शुभचिंतकों एवं परिवार के सहयोग और आशीर्वाद को दिया। और बता दे कि आशीष शर्मा बिगेस्ट टीवी रियलिटी शो इंडियास आइकोनिक टैलेंट शो को भी जजिंग कर रहे हैं 2026 का ग्रांड फिनाले जज के रूप में होस्ट करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय रेडियो प्लेटफॉर्म पर गीत प्रसारित होना उनके संगीत जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

मस्जिद कोहना पीर बाबा इंदिरा नगर में पहले दौर की तरावीहं मुकम्मल

सैकड़ो लोगों ने देश में अमन चैन की दुआ मांगी

लखनऊ / मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी की जेरे में निगरानी में मस्जिद कोहना पीर बाबा इंदिरा नगर लखनऊ में आज तरावीह का पहला दौर मुकम्मल किया गया जिसमें बड़ी तादाद में नमाज़ियों ने हिस्सा लिया।

मस्जिद के सदर जनाब रियाज अहमद एवं जनरल सेक्रेटरी जनाब मुर्तजा. अली ने सहयोग के लिए प्रशासन के साथ-साथ नमाज़ियों का बेहद शुक्रिया अदा करते हुए इमाम साहब को नजराने के रूप में नगद एवं तोहफा देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी के सदर जनाब अहमद राजा नायक सदर मोहम्मद साबिर खान एवं जनरल सेक्रेटरी मुस्तकीम अहमद सिद्दीकी भी उपस्थित रहे। तरवीह मुकम्मल होने के बाद इमाम साहब द्वारा देश में अमन व चैन के लिए दुआएं मांगी गई।

मेडिकल कालेज अस्पताल के दिल फेक चिकित्सक की चर्चाएं आम

हर हसीना को देखते ही दिल फेक चिकित्सक डालता है डोरे

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल के एक दिल फेक आशिक मिजाज चिकित्सक की चर्चाएं आम है। हर हसीना को देखते दिल फेक डोरे डालने लगता है। अब तक दर्जनों हसीनाएं चिकित्सक की जाल में फस चुकी है। चिकित्सक की आशिकी के चर्चाएं पूरे मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रही है।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महा विद्यालय अस्पताल में बाल चिकित्सक स्पेशलिस्ट के पद पर तैनात एक दिल फेक चिकित्सक की चर्चाएं आम है। सूत्र बताते है कि चिकित्सक हर हसीना को देखते ही उस पर फिदा हो जाता है। साथ ही उस पर डोरे डालने लगता है। दिल फेक आशिक मिजाज चिकित्सक अब तक दर्जनों हसीनाओं को अपने जाल में फंसा चुका है। हालांकि के कई बार अपनी इस आशिक मिजाजी के चलते उसको बेइज्जत भी होना पड़ता है।

बोले अफसर

ऐसी कोई शिकायत नहीं है। अगर शिकायत मिली तो कार्रवाई की जाएगी। डॉ० हरिओम सिंह प्राचार्य। रिपोर्ट पवन कुमार चारवा कौशाम्बी

बसपा के एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह के घर पर इनकम टैक्स की बड़ी रेड

लखनऊ. बहुजन समाज पार्टी के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ स्थित आवास पर आयकर विभाग की बड़ी छापेमारी हुई है। बुधवार सुबह गोमतीनगर स्थित उनके आवास और कार्यालय पर इनकम टैक्स की टीम ने दबिश दी. सूत्रों के अनुसार, छापे में 50 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं और भारी फोर्स तैनात है।

विधायक उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से बसपा के टिकट पर 2022 में चुने गए थे और वर्तमान विधानसभा में पार्टी के एकमात्र विधायक हैं. वे गंभीर रूप से कैंसर से पीड़ित हैं. उनके दो ऑपरेशन हो चुके हैं और फिलहाल वे लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आवास में आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं. परिवार और डॉक्टरों के अनुसार, उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

राजनीतिक हलकों में हड़कंप

छापेमारी की खबर मिलते ही राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया. जानकारी के मुताबिक, आयकर टीम सुबह करीब 7 बजे तीन गाड़ियों में पहुंची और दस्तावेजों, रिकॉर्ड्स की जांच शुरू की. कार्रवाई के दौरान डॉक्टरों और नर्सों के आने-जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे विधायक के परिवार में चिंता बढ़ गई. यह छापा ऐसे समय में हुआ है जब बसपा सुप्रीमो मायावती 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं. उमाशंकर सिंह को पार्टी में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. पिछले साल मार्च में भी उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोप में विजिलेंस विभाग ने जांच शुरू की थी, लेकिन इस छापे का सीधा संबंध उस जांच से जुड़ा है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से किशोर छात्र की मौत, परिजनों का हंगामा

प्रयागराज जनपद के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार किशोर छात्र की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई और आक्रोशित परिजनों ने चक्का जाम करने का प्रयास किया।

मिली जानकारी के अनुसार गौसपुर गांव निवासी पवन पटेल साइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान पूरामुफ्ती थाना के समीप जीटी रोड पर तेज रफ्तार बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि छात्र ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। गुस्साए लोगों ने जीटी रोड पर जाम लगाने की कोशिश की, जिससे यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया और सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

साइबर धोखाधड़ी से सावधान रहें: रेलवे पेंशनभोगियों से जालसाजों से सतर्क रहने का आह्वान

कोई भी रेलवे अधिकारी सोशल मीडिया या कॉल के माध्यम से गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है संदिग्ध कॉल या संदेशों की सूचना तुरंत पुलिस साइबर सेल और संबंधित प्रशासनिक कार्यालय को दें

(जीएनएस)। यह बात सामने आई है कि कुछ साइबर जालसाज रेलवे अधिकारियों के नाम पर फर्जी फोन कॉल कर रहे हैं और एसएमएस/व्हाट्सएप संदेश भेज रहे हैं, जिसमें पीपीओ अपडेट, केवाईसी सत्यापन, अतिरिक्त पेंशन लाभ आदि के बहाने व्यक्तिगत और वित्तीय विवरण मांगे जा रहे हैं।

पेंशनभोगियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे पीपीओ या सेवा रिकॉर्ड को अपडेट करने के लिए कोई लिंक या संदेश नहीं भेजता है। किसी भी रेलवे अधिकारी को फोन कॉल, एसएमएस, व्हाट्सएप या सोशल मीडिया के माध्यम से बैंक विवरण, ओटीपी, पासवर्ड या कोई भी गोपनीय जानकारी मांगने का अधिकार नहीं है।

पेंशनभोगियों को सतर्क रहने और अपने परिवार के सदस्यों को भी इस संबंध में जागरूक करने की सलाह दी जाती है। किसी भी संदिग्ध कॉल या संदेश की सूचना तुरंत पुलिस साइबर सेल और संबंधित प्रशासनिक कार्यालय को दी जानी चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किए गए डॉ.ओमप्रकाश सिंह

(जीएनएस)। कौशांबी

हर्रायपुर कौशाम्बी शब्द जब संवेदना से मिलते हैं तो भाषा जन्म लेती है और जब भाषा संस्कारों से जुड़ती है तो वह सभ्यता का स्वर बन जाती है। मातृभाषा केवल बोलचाल का माध्यम नहीं-वह स्मृतियों का घर,संस्कृति का आँगन और आत्मा की अनुगूँज है।मातृभाषा वह प्रथम स्पर्श है, जिससे मन बोलना सीखता है और आत्मा पहचान बनाती है।'21 फरवरी 2026,अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के पावन अवसर पर जनपद कौशाम्बी का नाम विशेष गौरव के साथ उच्चरित हुआ,जब प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ.ओमप्रकाश सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मातृभाषा रत्न की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

नेपाल की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था शब्द प्रवाह बहुभाषी सम्मान फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान भाषा-साधना के प्रति समर्पित जीवन की स्वीकृति है।यह केवल एक प्रशस्ति-पत्र नहीं, बल्कि उस तपस्या का अभिनंदन है जिसमें शब्द साधे जाते हैं,अर्थ संवारे जाते हैं और पीढ़ियाँ प्रकाशित होती हैं जो अपनी भाषा में सोचता है, वही सच्चे अर्थों में स्वतंत्र सोचता है डॉ.ओमप्रकाश सिंह ने शिक्षा-जगत में हिन्दी को पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से मुक्त कर उसे व्यक्तित्व-निर्माण का आधार बनाया। उनके प्रयासों में भाषा केवल विषय नहीं रही-वह संवाद बनी,आत्मविश्वास बनी और संस्कार बनी। कौशाम्बी के विद्यालयों में सृजनात्मक लेखन,साहित्यिक गोष्ठियों और भाषाई गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति की निर्भीकता विकसित की उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा देना,बच्चों को उनकी जड़ों से जोड़ना है।उनकी मान्यता रही है कि भाषा में निहित संस्कृति ही शिक्षा को जीवन्त बनाती है। जब बालमन अपनी भाषा में विचार करता है,तो उसमें आत्मगौरव और स्वाभिमान की जड़ें स्वतः सुदृढ़ होती हैं।

जब शिक्षक भाषा को प्रेम से सींचता है,तब विद्यार्थी भविष्य को विश्वास से गढ़ता है।यह अंतरराष्ट्रीय अलंकरण केवल एक व्यक्ति का सम्मान नहीं,बल्कि उस विचारधारा का अभिनंदन है जो वैश्विकता के मध्य भी अपनी जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देती है। कौशाम्बी के शिक्षकवृंद विद्यार्थी और शिक्षा-परिवार इस उपलब्धि को सामूहिक साधना का प्रतिफल मान रहे हैं।डॉ.सिंह ने विनम्र स्वर में इस सम्मान को समस्त शिक्षकों, विद्यार्थियों और सहयोगियों को समर्पित करते हुए कहा. कि मातृभाषा हमारी पहचान की पहली ध्वनि है; जड़ें सशक्त होंगी तो भविष्य स्वयं सुदृढ़ होगा।वास्तव में-वैश्विक मंच पर वही सशक्त खड़ा होता है,जिसकी जड़ें अपनी मातृभूमि और मातृभाषा में गहरी हों।निस्संदेह,यह सम्मान कौशाम्बी की शैक्षिक गरिमा को नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला है। यह संदेश देता है कि जो अपनी भाषा का सम्मान करता है,विश्व स्वयं उसका सम्मान करता है।कौशाम्बी की धरती पर यह अलंकरण एक दीप की तरह प्रज्वलित है-जो आने वाली पीढ़ियों को मातृभाषा-प्रेम, सृजनशीलता और सांस्कृतिक स्वाभिमान के पथ पर अग्रेसित करता रहेगा।

होली व रमजान के त्यौहार को लेकर संदीपन घाट थाना प्रभारी ने पीएसी बल के साथ क्षेत्र में किया फ़्लैग मार्च

(जीएनएस)। कौशांबी

हर्रायपुर कौशाम्बी संदीपन घाट थाना प्रभारी इंद्रदेव ने आगामी पर्व होली एवं रमजान माह को शांतिपूर्ण,सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मूरतगंज,कशिया पूर्व,चिकवन के पूर्वा व आदि गांवों क्षेत्र एवं कस्बा में पीएसी बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। इस दौरान पुलिस बल ने प्रमुख चौराहों, बाजारों एवं संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का गहन निरीक्षण किया। फ्लैग मार्च के माध्यम से आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम करते हुए असामाजिक तत्वों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा संदीपन घाट प्रभारी ने स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे,शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। साथ ही आमजन से अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें,सोशल मीडिया पर भ्रामक अथवा आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।व इस मौके पर मूरतगंज चौकी प्रभारी कालिका प्रताप सिंह आदि पुलिस बल मौजूद रहे

सराय अकिल के बहुंगरी गांव में दर्दनाक सड़क हादसा,

फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान ग्रेडर की चपेट में आए बुजुर्ग की मौके पर मौत

कौशांबी। थाना सराय अकिल क्षेत्र के बहुंगरी गांव के पास एयरपोर्ट से बीदह सर्किट तक बन रही फोरलेन सड़क पर बुधवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा हो गया। निर्माण कार्य में लगे भारी ग्रेडर ने एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुजुर्ग ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा था। इसी दौरान ग्रेडर अचानक अनियंत्रित हो गया और पास से साइकिल से गुजर रहे बुजुर्ग उसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और काम कुछ देर के लिए रोक दिया गया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक वीर प्रताप सिंह पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा ग्रेडर और उसके चालक को हिरासत में ले लिया।फिलहाल खबर लिखे जाने तक शव का शिनाख्त नहीं हो पाई है पुलिस मृतक की शिनाख्त कराने में जुटी है। घटना से ग्रामीणों में शोक के साथ-साथ निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं।

लखनऊ संग्रहालय में 'प्रागैतिहासिक भारत' पर व्याख्यान:प्रो. अनिल कुमार ने पाषाण युग के औजारों और जीवनशैली को समझाया

लखनऊ (जीएनएस)।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में 'प्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियां' विषय पर एक रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से कला अभिरुचि पाठ्यक्रम की व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत किया गया।जिसमें छात्रों को इतिहास के शुरुआती दौर को समझने का अवसर मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य वक्ता प्रो. अनिल कुमार के स्वागत के साथ हुई। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. मीनाक्षी खेमका ने उनका परिचय कराया और प्रतिभागियों को कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में ह्यप्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियांह्न विषय पर एक रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

लखनऊ के राज्य संग्रहालय, लखनऊ में ह्यप्रागैतिहासिक भारत की संस्कृतियांह्न विषय पर एक रोचक

और ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

जब मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था

मुख्य वक्ता ने अपने व्याख्यान में प्रागैतिहासिक काल को मानव इतिहास का प्रारंभिक चरण बताते हुए विस्तार से समझाया कि यह वह समय था जब मनुष्य पत्थर के औजारों का उपयोग करता था, गुफाओं में रहता था और शिकार के जरिए जीवन यापन करता था। उन्होंने पाषाण युग के विभिन्न चरणों और उनके कलानुक्रम को सरल भाषा में समझाया।

समय के साथ मानव जीवनशैली और उपकरणों में बदलाव आया

चित्रों के माध्यम से उन्होंने उस दौर के ह्यहस्त कुठारह्न जैसे औजारों की बनावट, उपयोग और उनके विकास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय के साथ मानव जीवनशैली और उपकरणों में बदलाव आया, जो सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत देता है। व्याख्यान के दौरान प्रागैतिहासिक गुफाओं और उनमें बने चित्रों का भी उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि इन चित्रों में उस समय के जीवन, विश्वास और प्रकृति से जुड़ाव की झलक मिलती है। आज भी आदिवासी और जनजातीय संस्कृति में इन परंपराओं के कुछ अंश देखे जा सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में संग्रहालय के निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया और प्रतिभागियों को ऐसे कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन डॉ. मीनाक्षी खेमका ने किया। इस अवसर पर संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

लखनऊ के हुसैनाबाद में बना देश का अनोखा हेरिटेज म्यूजियम, बिना पिलर की इमारत और अवध संस्कृति का भव्य अनुभव

लखनऊ के हुसैनाबाद में बना लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट 1 मार्च से आम जनता के लिए खुलेगा, जहां अवध की संस्कृति, कला, इतिहास और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

नवाबी शहर लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान, कला, संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब को एक ही छत के नीचे समेटने वाला लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट अब पूरी तरह तैयार हो चुका है। हुसैनाबाद क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक संग्रहालय 01 मार्च 2026 को लोकार्पित होने के बाद आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। यह म्यूजियम न केवल अवध की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करेगा, बल्कि पर्यटन, कला संरक्षण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का भी कार्य करेगा।

एलडीए की महत्वाकांक्षी परियोजना

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा लगभग 4973 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विकसित इस म्यूजियम का निर्माण करीब 41.43 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह परियोजना राजधानी के सांस्कृतिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने संग्रहालय का निरीक्षण करते हुए भवन की संरचना, प्रदर्शनी दीर्घाओं, पर्यटक सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को अंतिम तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि यह म्यूजियम शासन की पर्यटन विकास नीति के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य लखनऊ की ऐतिहासिक पहचान को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है।

इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना: 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर

लखनऊ म्यूजियम ऑफ हेरिटेज एंड आर्ट की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अनोखी वास्तुकला है। यह प्रदेश की पहली ऐसी आईकॉनिक इमारत होगी, जहां बिना किसी कॉलम या पिलर के सहारे 45 मीटर लंबा कैंटीलीवर बनाया गया है। यह आधुनिक इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर का उत्कृष्ट उदाहरण है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अनावश्यक नहीं विदेशी मेहमानों के सामने हो प्रदर्शन

दिल्ली पुलिस ने गत सप्ताह शुव्रवार को प्रगति मैदान में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट में भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकत्ताओं ने शर्ट उतारकर जो प्रदर्शन किया उसी के संबन्ध में संगठन के अध्यक्ष उदय भान चिब को मुख्य साजिशकर्ता करार देते हुए मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारी युवा कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता के तहत अतिरिक्त धाराएं लगाईं गईं हैं जिनमें धारा 196 यानि विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और सद्भाव विरोधी हानिकारक वृत्य और धारा 197 यानि राष्ट्रीय एकता के लिए हानिकारक बयान शामिल हैं। इन दोनों धाराओं में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार यदि आरोप सिद्ध हो जाए तो युवा कांग्रेस के इन कार्यकताओं को तीन-तीन साल की सजा हो सकती है। सच तो यह है गत सप्ताह सम्मेलन स्थल के हाल नम्बर 5 के अन्दर शर्ट उतारकर भारत सरकार और अमेरिका के बीच हुए अन्तरिम व्यापार समझौते के खिलाफ नारे छपी हुईं टी-शर्ट हाथ में लेकर विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद कर्मियों द्वारा उन्हें वहां से हटा दिया गया। लगता है कि राजनीतिक फायदे की ललक में युवा कांग्रेसी यह भूल गए कि उनका प्रदर्शन उस स्थान पर नहीं होना चाहिए था जहां उन्होंने किया। उन कार्यकताओं का दुराशय स्पष्ट था कि वे भारत को बदनाम करने के उद्देश्य से ही विदेशी आगन्तुक राष्ट्राध्यक्षों के सामने प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता भले ही इसे राष्ट्रीय हितों की रक्षा के उद्देश्य से किया गया शान्तिपूर्ण प्रदर्शन बताकर अपना बचाव करें किन्तु सच तो यही है कि इस प्रदर्शन को स्थान बदल कर किया जा सकता था। इससे संदेश यह गया कि जब एआई समिट के कारण भारत का मान बढ़ रहा था तो ईर्ष्याग्रस्त युवा कांग्रेसियों ने ऐसा तमाशा षड्यंत्र के तहत किया ताकि न सिर्प मोदी सरकार बदनाम हो बल्कि देश की भी छवि खराब हो। इसके पहले भी कांग्रेस इस तरह की हरकतें कर चुकी है जिससे स्पष्ट हो गया है पाटा के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री मोदी से नाराज हैं इसलिए वह उनकी हर नीति एवं योजना का विरोध करती है। कांग्रेस मोदी का विरोध करते-करते इतना बहक जाती है कि वह पूरी तरह अपने राष्ट्रीय दायित्वों को ही भूल जाती है। बहरहाल इस बात में कोई संदेह नहीं है कि राजनीतिक पाटा होने के कारण कांग्रेस का दायित्व है कि वह सरकार के हर कार्य के प्रति देश की जनता को जागरूक करे और उसका अधिकार भी यही है कि वह सरकार को शोर मचाकर इस बात का एहसास कराए कि वैसे उसे अपना कार्य सावधानीपूर्वक करना चाहिए। विदेशी मामलों में तो सरकार को और ज्यादा जगाते रहने की जरूरत है। कारण कि विदेशी मामलों में संसद से अनुमति लेने का कोई प्रावधान या प्रथा दोनों ही नहीं है। विपक्ष के लिए आवश्यक है कि वह किसी विदेशी सरकार के साथ होने वाले समझौते के प्रति सजग रहे और सकारात्मक विरोध के अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का समुचित निर्वहन करे किन्तु आज दुर्भाग्य इस बात का है कि कांग्रेस में ऐसे राजनेताओं का टोटा पड़ गया है जो विरोध प्रव्रिया का वैसे, कब और कहां व्रियान्वयन करना है, जानते ही नहीं। यही कारण है कि आज कांग्रेस की छवि वामपंथी पार्टियों से भी ज्यादा वामपंथी बन चुकी है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि युवा कांग्रेसियों पर जिस तरह से गैर जमानती धाराएं ठोंकी गईं हैं, वह सही मानी जा सकती हैं। संविधान के अनुच्छेद 19(1) बी में स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख है कि कोई भी हथियार के बिना कहीं भी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करके अपनी असहमति व्यक्त कर सकता है। इसीलिए लगता है कि यदि युवा कांग्रेसियों को घाटनास्थल से हटाकर मामले को खत्म कर दिया जाता तो शायद ज्यादा अच्छा रहता। युवा कांग्रेसियों को भी पता है कि वह जिस भारत-अमेरिका व्यापार टैक्स सम्बन्धी समझौते के खिलाफ प्रदर्शन करने जा रहे हैं, उस समझौते का वास्तविक विवरण तो अभी आना बाकी है किन्तु उन्हें सरकार के खिलाफ एक विमर्श गढ़ने का निर्देश मिला है और वही वे कर रहे थे।

ट्राई ने 2026 में आज अपनी स्थापना दिवस मनाया, इस अवसर पर समावेशी टीवी पहुंच और नेटवर्क स्लाइसिंग पर उच्च-स्तरीय विचार-विमर्श किया गया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ळफ्अक) ने आज ट्राई दिवस 2026 का आयोजन किया, जो 20 फरवरी 1997 को ळफ्अक की स्थापना के 29 वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, उद्योग नेताओं, अकादमिक जगत और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिन्होंने भारत के डिजिटल संचार परिदृश्य को आकार देने वाले उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

यह उत्सव ळफ्अक द्वारा इन सभी वर्षों में दूरसंचार और प्रसारण परिदृश्य को आकार देने में किए गए उत्कृष्ट कार्य की समीक्षा के साथ जुड़ा हुआ था। इसमें दो विषयों पर तकनीकी चर्चाएँ भी हुईं: 'सभी घरों तक टीवी पहुंचानाः समावेशन के लिए नीति, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय रणनीतियां' तथा 'नेटवर्क स्लाइसिंग और नेट न्यूट्रैलिटी'।

कार्यक्रम की शुरूआत ळफ्अक के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुई, जिसमें श्री रितु रंजन मित्तर, सदस्य (एम), डॉ. एम.पी. तंगिराला, सदस्य (टी) तथा प्रो. रंजन बोस, सदस्य (पीटी) की उपस्थिति में यह समारोह संपन्न हुआ।

स्वागत भाषण देते हुए, ळफ्अक के सचिव श्री अतुल कुमार चौधरी ने 1997 में भारत के प्रतिस्पर्धी टेलीकॉम बाजार में संक्रमण के दौरान प्राधिकरण की स्थापना को याद किया और निष्पक्ष खेल, व्यवस्थित विकास तथा उपभोक्ता हितों की रक्षा सुनिश्चित करने में स्वतंत्र नियामक की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री चौधरी ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में व्यापक रूप से सुलभ माध्यम के रूप में टेलीविजन की निरंतर प्रासंगिकता पर जोर दिया तथा सामाजिक समावेशन के लिए प्रसारण तक सार्वभौमिक पहुंच को अभिन्न बताया। उन्होंने नेटवर्क स्लाइसिंग सहित टेलीकॉम प्रौद्योगिकियों के तेजी से विकास का उल्लेख किया तथा उन्नत क्षमताओं के तैनाती के साथ खुलेपन को संरक्षित रखने तथा नेट न्यूट्रैलिटी के सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्राधिकरण के सदस्यों ने ळफ्अक की विकसित होती नियामक दर्शन तथा भारत के संचार पारिस्थितिकी तंत्र को सफलतापूर्वक तकनीकी संक्रमणों के माध्यम से निर्देशित करने में इसकी संस्थागत भूमिका पर भी चिंतन किया।श्री रितु रंजन मित्तर, सदस्य (एम), ने टेलीकॉम क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तथा निवेश को बनाए रखने में बाजार-आधारित नियामक ढांचों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने पारदर्शी

परामर्श प्रक्रियाओं, शुल्क तर्कसंगतीकरण, स्पेक्ट्रम दक्षता तथा नवाचार प्रोत्साहन को किफायती बनाए रखते हुए क्षेत्रीय दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नोट किया कि जैसे-जैसे नेटवर्क अधिक डेटा-गहन तथा सेवा-उन्मुख होते जा रहे हैं, नियामक चपलता तथा अनुमानितता निवेशक विश्वास तथा उपभोक्ता कल्याण बनाए रखना महत्वपूर्ण होता जायेगा।

डॉ. एम.पी. तंगिराला, सदस्य (टी), ने विशेष रूप से अगली पीढ़ी के नेटवर्क, एआई-सक्षम प्रणालियों तथा उन्नत स्पेक्ट्रम उपयोग के संदर्भ में नियमन के प्रौद्योगिकीय आयामों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया दिया कि नियामक ढांचे को प्रौद्योगिकी नवाचार के साथ तालमेल बिठाना होगा, विशेषकर नेटवर्क स्लाइसिंग, सेवा गुणवत्ता (QoS), परस्पर संचालनीयता तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे की लचीलापन जैसे क्षेत्रों में। उन्होंने मजबूत तथा सुरक्षित संचार नेटवर्क सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी मानकीकरण, साक्ष्य-आधारित नियमन तथा डेटा-चालित निगरानी को महत्वपूर्ण बताया।प्रो. रंजन बोस, सदस्य (अंशकालिक), ने विचार-विमर्श में शैक्षणिक तथा अनुसंधान दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने नियामकों, अकादमिक जगत तथा उद्योग के बीच संस्थागत सहयोग के नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 6ञ्ज अनुसंधान तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए अंतर-अनुशासनिक सोच तथा दूरदर्शी नियामक डिजाइन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नियामक सैंडबॉक्स, पायलट पहल तथा अनुसंधान साझेदारियों को नए मॉडलों का परीक्षण करने तथा सार्वजनिक हित की रक्षा करने के प्रभावी साधनों के रूप में चिह्नित किया।श्री नीलकंठ मिश्रा, सदस्य (अंशकालिक), ने भारत की वृद्धि प्रक्षेपवक्र में टेलीकॉम तथा प्रसारण क्षेत्रों के व्यापक आर्थिक महत्व पर चिंतन किया। उन्होंने उत्पादकता वृद्धि, वित्तीय समावेशन तथा डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की रीढ़ के रूप में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने नेटवर्क विस्तार, फाइबर तैनाती तथा उभरती प्रौद्योगिकियों में दीर्घकालिक पूंजी आकर्षित करने में अनुमानित तथा विश्वसनीय नियमन की महत्वपूर्ण भूमिका नोट की। नवाचार को वित्तीय स्थिरता के साथ संतुलित करने के महत्व को रेखांकित करते हुए, उन्होंने नियामक स्पष्टता, कुशल पूंजी आवंटन तथा प्रतिस्पर्धी तटस्थता क्षेत्र को भारत की अग्रणी डिजिटल अर्थव्यवस्था बनने की महत्वाकांक्षा का समर्थन करने में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने एआई-चालित नेटवर्क, उपग्रह ब्रॉडबैंड तथा अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी नई प्रौद्योगिकियों के आर्थिक प्रभावों का आकलन करने में नियामक दूरदृष्टि की आवश्यकता पर भी बल दिया।

अपने उद्घाटन भाषण में, ळफ्अक के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार लाहोटी ने प्राधिकरण की नियामक संस्था के रूप में भारत के टेलीकॉम तथा प्रसारण क्षेत्रों में समान अवसर क्षेत्र तथा व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करने वाली भूमिका पर चिंतन किया। उन्होंने बताया कि आज कनेक्टिविटी फिक्स्ड लाइन, मोबाइल, ऑप्टिकल फाइबर तथा सैटेलाइट नेटवर्कों तक फैली हुई है, जो देश भर में सेवाएं सक्षम बना रही है। क्षेत्र के विकास के अगले चरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G तथा भविष्य के 6G नेटवर्क जैसी प्रौद्योगिकी नेटवर्क वास्तुकला तथा सेवा वितरण को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।

श्री वी. सोमन्ना ने 'कर्नाटक भारत गौरव ट्रेनः एक हजार तीर्थों की यात्रा' नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया

यह पुस्तक भारतीय रेलवे की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन पहलों में से एक समर्पित समृद्ध दृश्य और कथात्मक श्रद्धांजलि है : श्री वी सोमन्ना

(जीएनएस)।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने 23 फरवरी 2026 को रेल भवन में "कर्नाटक भारत गौरव ट्रेनः एक हजार तीर्थों की यात्रा" नामक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

श्री सोमन्ना ने कहा कि यह पुस्तक भारतीय रेलवे की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन पहलों में से एक समृद्ध दृश्य और कथात्मक श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि पुस्तक उस अग्रणी मॉडल के पीछे की भावना, दृष्टिकोण और सामूहिक प्रयास को खूबसूरती से दशार्ती है जो आस्था, संस्कृति, विरासत और आधुनिक रेल अवसंरचना को सहजता से एकीकृत करता है। इस उल्लेखनीय पहल की परिकल्पना और संचालन डॉ. अनुप दयानंद, आईआरटीएस (सेवानिवृत्त) द्वारा किया गया था।

श्री सोमन्ना ने कहा कि यह ऐतिहासिक है कि भारत गौरव योजना के तहत कर्नाटक के 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किफायती लागत पर काशी और अन्य पवित्र स्थलों की यात्रा करने के अपने जीवन भर के सपने को पूरा किया है।

यह पुस्तक ट्रेन को "भारत की

चलती-फिरती गैलरी" के रूप में जीवंत रूप से प्रस्तुत करती है, जिसमें इसके सुविचारित डिब्बों, ट्रेन में उपलब्ध सुविधाओं, सुनियोजित आध्यात्मिक यात्राओं और यात्रियों के संपूर्ण अनुभव का विस्तृत वर्णन किया गया है। इसमें इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया है कि कैसे आराम, सुगमता और वहनीयता को प्राथमिकता दी गई, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और पहली बार तीर्थयात्रा करने वाले यात्रियों के लिए नीतिगत समर्थन और राज्य सब्सिडी के माध्यम से। मूल रूप से, यह पुस्तक भारत गौरव नीति के तहत कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन की परिकल्पना, विकास और सफल कार्यान्वयन का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।

कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन

कर्नाटक भारत गौरव ट्रेन भारतीय रेलवे की भारत गौरव नीति के अंतर्गत एक प्रमुख तीर्थयात्रा पर्यटन पहल का प्रतिनिधित्व करती है। यह रेलवे को केवल परिवहन साधन से बदलकर पर्यटन, संस्कृति और आध्यात्मिक जुड़ाव को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में स्थापित करती है। यह पहल "देखो अपना देश" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अनुरूप है, जो साझा आध्यात्मिक अनुभवों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है।

काशी दर्शन, ज्योतिर्लिंग दर्शन, शक्ति पीठ यात्रा, दक्षिणा यात्रा, द्वारका यात्रा और पुरी जगन्नाथ यात्रा जैसी थीम आधारित यात्राओं के माध्यम से, यह ट्रेन कर्नाटक के तीर्थयात्रियों को भारत भर के प्रमुख आध्यात्मिक स्थलों से जोड़ती है। सर्व-समावेशी पैकेजों में रेल यात्रा, शाकाहारी भोजन, आवास, स्थानीय परिवहन, टूर गाइड और दर्शनीय स्थल शामिल हैं, जो एक सहज और गरिमापूर्ण अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 46 यात्राएं सफलतापूर्वक संचालित की गई हैं जिनमें 28,786 तीर्थयात्रियों ने यात्रा की है, जिससे भारतीय रेलवे को लगभग 25.57 करोड़ रुपये की आय हुई है और साथ ही समावेशी तीर्थयात्रा पर्यटन के व्यापक उद्देश्य को आगे बढ़ाया गया है।

रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब में आईएएफ और ईएसी कप रेस का आयोजन किया गया

(जीएनएस)।

प्रतिष्ठित भारतीय वायु सेना (आईएएफ) कप और पूर्वी वायु कमान (ईएसी) कप रेस का भव्य आयोजन 25 फरवरी 2026 को ऐतिहासिक रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब (आरसीटीसी) में किया गया। वर्ष 1996 में प्रारंभ हुई ये वार्षिक प्रतियोगिताएं भारतीय वायु सेना और आरसीटीसी के बीच मजबूत एवं दीर्घकालिक संबंधों का प्रतीक हैं।

वर्ष 1847 में स्थापित और साल 1912 में 'रॉयल' उपाधि से सम्मानित आरसीटीसी देश के सबसे प्रतिष्ठित घुड़दौड़ संगठनों में से एक है। तब से यह भारतीय वायु सेना की गौरवशाली विरासत और उल्लेखनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से आईएएफ तथा ईएसी कप दौड़ों का नियमित आयोजन करता आ रहा है।

इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एपी सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और पूर्वी वायु कमान के वायु अधिकारी कमान प्रमुख आईएस वालिया के साथ विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। इस वर्ष भारतीय वायु सेना कप का खिताब एंटनी राज एस ने अपने घोड़े 'अभिचंद्र' पर सवार होकर जीता, जो श्री विक्रम बछवात के स्वामित्व में है। वहीं, पूर्वी वायु सेना कप एमएस देवरा ने अपने घोड़े 'लगुना सेका' पर सवार होकर जीता, जो मेसर्स कैमहिल स्टड फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स सरायनागा रेसिंग प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व में है। वायु सेना प्रमुख ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सौहार्द को प्रोत्साहित करने तथा रक्षा बलों और आम नागरिकों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में सेना, नौसेना, भारतीय वायु सेना और तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने पारदर्शी और त्वरित एनओसी अनुमोदन के लिए संशोधित राजमार्ग प्रवेश पोर्टल का शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे ईंधन स्टेशनों, सड़क किनारे की सुविधाओं, निजी संपत्तियों, विश्राम परिसरों, संपर्क सड़कों और ऐसी अन्य सुविधाओं के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) आसानी से प्राप्त करने के लिए उन्नत राजमार्ग प्रवेश वेब पोर्टल का शुभारंभ किया।

सरकार की व्यापार सुगमता बढ़ाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप, मंत्रालय ने अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया को सरल, तेज और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए इस पोर्टल का विकास किया है। पोर्टल को http://rajmargpravesh.morth.gov.in पर एक्सेस किया जा सकता है।

नए राजमार्ग प्रवेश पोर्टल के

माध्यम से नागरिक, व्यवसाय और संगठन, राष्ट्रीय राजमार्गों से आने जाने तथा उसके आसपास निजी संपत्तियों, उद्योगों और राजमार्ग किनारे की सुविधाओं से सम्बन्धित अनुमतियों के लिए सरल तरीके से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस पोर्टल का उपयोग सरकारी और निजी संगठन राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ साथ या उसके आसपास पानी की पाइपलाइन, गैस पाइपलाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, विद्युत लाइनें और अन्य सेवाएं बिछाने की अनुमति प्राप्त करने के लिए भी कर सकते हैं।

नया पोर्टल अनुमोदन प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध बनाएगा, जिससे नागरिकों और व्यवसायों को समय और प्रयास बचाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में सचिव (सड़क परिवहन) वी उमाशंकर, महानिदेशक (सड़क परिवहन) और विशेष सचिव विनय कुमार राजवत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव, राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कृष्ण कुमार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य (प्रशासन) विशाल चौहान और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

दूरसंचार अभियांत्रिकी केन्द्र ने दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं मानकीकरण गतिविधियों में संयुक्त अध्ययन और तकनीकी सहयोग के लिए आईआईटी खड़गपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में 6जी, एआई-सक्षम दूरसंचार प्रणाली, रेडियो, एंटीना और एमआईएमओ प्रौद्योगिकी, तथा उपग्रह और गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन) शामिल हैं

यह सहयोग दूरसंचार क्षेत्र में स्वदेशी अनुसंधान, डिजाइन और विनिर्माण को मजबूत करके आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को आगे बढ़ाएगा

(जीएनएस)।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) की तकनीकी शाखा, दूरसंचार अभियांत्रिकी केंद्र (टीईसी) ने उन्नत दूरसंचार प्रौद्योगिकियों और वैश्विक मानकीकरण गतिविधियों में संयुक्त अध्ययन, अनुसंधान और तकनीकी सहयोग करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के साथ

समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी का उद्देश्य 6जी, ऑप्टिकल संचार, एनटीएन जैसी भविष्य की नेटवर्क प्रौद्योगिकियों में भारत-विशिष्ट मानक विकसित करना है, साथ ही पैसिव ऑप्टिकल नेटवर्क प्रौद्योगिकी, उन्नत एंटीना सिस्टम, 5जी और भविष्य के वायरलेस नेटवर्क के लिए एमआईएमओ प्रौद्योगिकी, ईएमएफ निगरानी समाधान जैसी दूरसंचार प्रौद्योगिकियों में सहयोग करना है। इस साझेदारी का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ का

मानकीकरण क्षेत्र और अन्य वैश्विक मंचों में भारत की भागीदारी को बढ़ाना है।

टीईसी के डीडीजी (एफए) श्री कमल कुमार अग्रवाल डीओटी और, एसोसिएट डीन (आर एंड डी) प्रोफेसर देबदीप मुखोपाध्याय द्वारा निदेशक प्रोफेसर सुमन चक्रवर्ती, प्रोफेसर गौतम दास, डॉ. देबारवती सेन (आईआईटी खड़गपुर से) और श्री सौविक कुमार दास, डीडीजी (आरटीईसी) की उपस्थिति में आईआईटी खड़गपुर में समझौता ज्ञापन पर 23.02.2026 को हस्ताक्षर किए गए।

यह साझेदारी टीईसी को अगली पीढ़ी की दूरसंचार और मानकीकरण गतिविधियों पर आईआईटी खड़गपुर के साथ मिलकर काम करने के लिए एक औपचारिक ढांचा प्रदान करती है।

सहयोग के प्रमुख क्षेत्रः

6जीः 6जी आर्किटेक्चर और सक्षम तकनीकों की खोज, साथ ही आईटीयू जैसे वैश्विक मंचों में अनुसंधान, पूर्व-मानकीकरण और मानकीकरण गतिविधियों में योगदान।

एआई-सक्षम दूरसंचार प्रणालीः सार्वजनिक सुरक्षा और नियामक अनुपालन को बढ़ाने के लिए एआई और सेफ्टी लैब फ्रेमवर्क के माध्यम से स्मार्ट आईओटी सेंसर विकास सहित ईएमएफ निगरानी समाधानों का संयुक्त अनुसंधान एवं विकास और मानकीकरण।

भारत और स्वीडन ने एसआईटीएसी फ्रेमवर्क के माध्यम से एआई के क्षेत्र में साझेदारी को और भी अधिक मजबूत किया

इंडियाएआई मिशन और बिजनेस स्वीडन द्वारा स्वीडन-भारत टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर (एसआईटीएसी) की स्थापना

एआई के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना और जिम्मेदार, मापनयोग्य डिजिटल नवाचार को गति देना इस साझेदारी का उद्देश्य

(जीएनएस)।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान, इंडियाएआई मिशन और बिजनेस स्वीडन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ भारत और स्वीडन के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक आशय पत्र (एसओआई) पर हस्ताक्षर किए।

आशय पत्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े समाधानों के विकास, इस्तेमाल और उन्हें अपनाए जाने को लेकर सहयोग के लिए एक व्यवस्थित ढांचा प्रदान करता है, जिसमें वास्तविक औद्योगिक और सामाजिक परिणामों पर जोर दिया गया है। यह सहयोग भारत और स्वीडन के बीच दीर्घकालिक साझेदारी पर आधारित है और नवाचार, आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए एआई का लाभ उठाने के साथ-साथ इससे जुड़े जोखिमों का समाधान करने में दोनों देशों की साझा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को दशार्ता है।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए इंडियाएआई मिशन की सीओओ सुश्री कविता भाटिया ने कहा, 'भारत और स्वीडन सिर्फ कृत्रिम बुद्धिमत्ता में साझेदार नहीं हैं, बल्कि हम मूल्य-आधारित, टिकाऊ और भरोसेमंद एआई भविष्य के सह-निमार्ता हैं। हमारा सहयोग पूरक शक्तियों और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को दशार्ता है, जो दोनों देशों को वैश्विक तकनीकी परिवर्तन के अगले चरण को आकार देने के लिए तैयार करता है।'

भारत में स्वीडन की व्यापार और निवेश आयुक्त श्रीमती सोफिया होगमैन ने कहा, "इंडियाएआई के साथ यह आशय पत्र एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, जो हमारे साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को ठोस परिणामों में बदलता है। एसआईटीसी के माध्यम से, हम अपने इको-सिस्टम को जोड़ने और दोनों देशों के सर्वश्रेष्ठ एआई और डिजिटल तकनीक से जुड़े नवाचारों को एक साथ लाकर नए कारोबारी अवसर पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।"

दोनों देश मिलकर स्वीडन-भारत टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉरिडोर (एसआईटीएसी) नामक एक विशेष कार्यक्रम विकसित करेंगे। एसआईटीएसी दोनों देशों की सरकारी एजेंसियों, उद्योग जगत के हितधारकों, स्टार्टअप उद्यमों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सुनियोजित सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा।

एसआईटीसी के तहत, दोनों विभाग निम्नलिखित पहल करेंगेः

सम्मेलनों, सेमिनारों और विषयगत कार्यशालाओं का आयोजन

भारतीय और स्वीडिश एआई इको-सिस्टम के बीच आदान-प्रदान को सुगम बनाना

नवाचार केंद्रों और उत्कृष्टता केंद्रों के क्षेत्र भ्रमण

कंपनियों, निवेशकों, अनुसंधानकताओं और नीति निमार्ताओं के बीच संवाद

संयुक्त नवाचार मंचों और निवेश गलियारों के अवसरों की पहचान करना

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में एआई समाधानों को दोनों पक्षों द्वारा अपनाए जाने को बढ़ावा देना

यह साझेदारी भारत एआई मिशन के उद्देश्यों को स्वीडन की औद्योगिक नवाचार, उन्नत अनुसंधान एवं विकास तथा जिम्मेदार एआई कार्यान्वयन की क्षमताओं के साथ जोड़ती है, जिसके तहत कंप्यूटिंग, डेटा और प्रतिभा तक पहुंच के माध्यम से एक व्यापक राष्ट्रीय एआई इको-सिस्टम का निर्माण किया जाएगा।

पूरे उत्तर प्रदेश में गुटखा-पान मसाला की कालाबाजारी, बड़े कारोबारियों पर मनमानी का आरोप

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में इन दिनों गुटखा और पान मसाला की बढ़ती कीमतों को लेकर बाजार में हलचल तेज हो गई है। फुटकर दुकानदारों और उपभोक्ताओं का आरोप है कि बड़े होलसेल व्यापारी निर्धारित मूल्य से अधिक दामों पर माल बेच रहे हैं जिससे पूरे प्रदेश में कालाबाजारी की आशंका बढ़ गई है नाम न छापने की शर्त पर कई छोटे दुकानदारों ने बताया कि पिछले एक माह में प्रमुख ब्रांडों के दामों में अचानक भारी बढ़ोतरी की गई है। उनके अनुसार कमला पसंद (39 पाउच) का पैकेट जो एक माह पहले 165 रुपये में मिलता था अब 250 रुपये में दिया जा रहा है। राज

श्री (30 पाउच) पहले 125 रुपये में मिलता था, जो अब 185 रुपये में बेचा जा रहा है। सिग्नेचर (54 पाउच) का पैकेट 220 रुपये से बढ़ाकर 320 रुपये कर दिया गया है फुटकर दुकानदारों का कहना है कि होलसेल स्तर पर ही रेट बढ़ा दिए गए हैं जिससे वे मजबूरी में अधिक कीमत पर ग्राहकों को सामान बेच रहे हैं। इसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है और कई जिलों में ग्राहकों में नाराजगी देखी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश के कुछ बड़े होलसेलर मनमाने तरीके से रेट तय कर रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या इस बढ़ोतरी की जानकारी प्रशासन को है और यदि है तो अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय व्यापारियों और उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि जल्द ही प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो बाजार में कालाबाजारी और तेज हो सकती है। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं। वेस्ट यूपी के अफसर तो पहले से ही ठंडे चूल्हे पर बैठे हैं।

पूर्व प्रधान के निधन पर सपा नेत्री दिव्या गंगवार समाजसेवी चौधरी प्रदीप ने जताया शोक

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। 130 विधानसभा बीसलपुर की पूर्व प्रत्याशी एवं सपा नेत्री दिव्या पी गंगवार तथा समाजसेवी चौधरी प्रदीप पटेल ने ग्राम मीरपुर वाहनपुर पहुंचकर पूर्व प्रधान शकुर अहमद अंसारी के इंतकाल पर उनके आवास पर शोक संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना प्रकट की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। सपा नेत्री ने कहा कि पूर्व प्रधान शकुर अहमद अंसारी का सामाजिक जीवन एवं क्षेत्र के विकास में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने ग्राम हित में किए गए उनके कार्यों को सराहनीय बताया।

शोकसभा में स्थानीय कार्यकर्ता व ग्रामवासी भी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य रखने की कामना की।

भाकियू भानु के पदाधिकारियों के नेतृत्व में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का आयोजन

(जीएनएस)।

पीलीभीत बिलसंडा ब्लॉक क्षेत्र के गांव कनपरी में भारतीय किसान यूनियन (भानु) द्वारा दिनांक 26 फरवरी 2026 को एक भव्य एवं जनहितकारी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर भाकियू भानु के जिला अध्यक्ष भजनलाल क्रोधी,जिला मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता,तहसील अध्यक्ष महेन्द्रपाल गंगवार (पूर्व सैनिक) एवं तहसील मीडिया प्रभारी दीनदयाल शास्त्री के नेतृत्व में आयोजित होगा।आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण एवं क्षेत्रीय नागरिकों को निःशुल्क, सुलभ और गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा सामान्य

स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तचाप, शुगर, नेत्र जांच सहित विभिन्न रोगों से संबंधित परामर्श दिया जाएगा। साथ ही आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया जाएगा।भाकियू भानु के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को देखते हुए यह पहल की गई है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को समय पर चिकित्सकीय सलाह और उपचार मिल सके। उन्होंने गांव कनपरी एवं आसपास के क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।शिविर के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता पर विशेष बल दिया जाएगा, जिससे लोग रोगों की रोकथाम, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवन शैली के प्रति सजग हो सकें। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह चिकित्सा शिविर ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी रहेगा।

पीलीभीत के बिलसण्डा में मंगलवार को मीट की दुकान बंदी की मांग तेज

राष्ट्रीय योगी सेना के जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा समेत कार्यकताओं ने थाने में सौंपा ज्ञापन; पुलिस पर कार्रवाई का दबाव

(जीएनएस)।

पीलीभीत, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के बिलसण्डा कस्बा क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं के चलते मंगलवार को मीट शॉप्स बंद रखने की मांग जोर पकड़ रही है। राष्ट्रीय योगी सेना के प्रमुख कार्यकर्ता जिला कार्यकारीअध्यक्ष हिमांशु मिश्रा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मुकुल ,

जिला उपाध्यक्ष मोहित पांडे , हितेश, कमल, पुनीत, पराग, निलेश अवस्थी, शोभित आदि ने आज

थानाध्यक्ष बिलसण्डा को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि कस्बा क्षेत्र की मीट दुकानें हर मंगलवार को खुल रही हैं, जो स्थानीय परंपराओं का उल्लंघन है।ज्ञापन में थानाध्यक्ष से अनुरोध किया गया है कि इन दुकानों को मंगलवार को सख्ती से बंद कराने के लिए आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाए और संबंधित अभियोग पंजीकृत कर सजा सुनिश्चित की जाए। संगठन का कहना है कि यह मांग बिलसण्डा के निवासियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उठाई गई है, जहां मंगलवार को भगवान हनुमान की पूजा के दिन मीट विक्रय को अशुभ माना जाता है।स्थानीय लोगों का समर्थन मिल रहा है, और कई दुकानदारों ने कहा कि वे नियमों का पालन करने को तैयार हैं, लेकिन कुछ दुकानें जानबूझकर खुल रही हैं। पुलिस ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। यह मुद्दा क्षेत्रीय शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बीसलपुरः बोर्ड परीक्षा में साइकिल स्टैंड शुल्क वसूली पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का हल्लाबोल, कॉलेज प्रशासन पर भड़का गुस्सा

(जीएनएस)।

पीलीभीत, ए जी एम कॉलेज, बिहारीपुर हीरा बिलसंडा, बीसलपुर में चल रही बोर्ड परीक्षाओं के दौरान करीब 2000 छात्रों से साइकिल स्टैंड के नाम पर शुल्क वसूले जाने का मामला सामने आया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइशढ) की बीसलपुर इकाई ने इसकी कड़ी निंदा की और कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर वसूली तत्काल बंद करने की मांग की।विद्यार्थियों और अभिभावकों की शिकायत पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकताओं ने तुरंत कार्रवाई की। छात्रों ने बताया

कि परीक्षा केंद्र पर साइकिल खड़ी करने के लिए अनुचित शुल्क लिया जा रहा है, जो आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ बन रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अमनदीप, प्रखर अवस्थी और अभिषेक ने कॉलेज प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।परिषद ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान न हुआ तो छात्र हित में लोकतांत्रिक आंदोलन किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कहा कि बोर्ड परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण मौके पर कोई अतिरिक्त शुल्क छात्र विरोधी है। संगठन छात्र हितों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

जोगराजपुर में बने सुलभ शौचालय के मोटर का निजी कार्यों में किया जा रहा प्रयोग

प्रधान के मना करने पर सचिन पर बनाया राजनीतिक दबाव

(जीएनएस)।

पीलीभीत /जोगराजपुर पूरनपुर ग्राम पंचायत जोगराजपुर में, सुलभ शौचालय के पास बन रही है प्राइवेट बिल्डिंग का काम पिछले 2 महीने से अधिक समय से चल रहा है (जीएनएस)। इस बिल्डिंग के लिए, पानी सुलभ शौचालय मैं लगे मोटर से, बिल्डिंग मे पानी प्रयोग किया जा रहा है साथ ही सुलभ शौचालय को, मटेरियल रूम बना दिया गया है, सुलभ शौचालय बिल्डिंग मटेरियल में काम आने वाले

सभी सामान से पटा पड़ा है इसका ग्रामीणों द्वारा विरोध भी किया गया जब इसकी शिकायत प्रधान तक पहुंची, प्रधान ने पानी देने से बंद किया, साथ ही पंचायत सहायक द्वारा भी, इसका विरोध किया गया, पानी को बंद कर दिया गया, तो एक भाजपा नेता ने सचिव को फोन करके बसपा नेता को पानी देने का आदेश दिया गया यही कारण है कि 2 महीने से बिल्डिंग का काम, सुलभ शौचालय के मोटर से बिल्डिंग का काम चल रहा है

प्राइवेट बिल्डिंग में सरकारी बिजली खर्च हो रही है ऐसे ही लगाया जा रहा है सरकार को चूना अंधे बांटे रेवड़ी अपने-अपने को दें यह कहावत यहां चरितार्थ हो रही है ग्रामीणों ने इस पूरे प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की मांग की है

विधायक ने दो स्थानों पर विकास कार्यों का भाजपा नेता मनोज गुप्ता के साथ किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर। क्षेत्रीय विधायक विवेक वर्मा ने क्षेत्र के ग्राम बसारा व ग्राम दिवाली में विकास कार्यों का विधिवत पूजन-अर्चन कर शुभारंभ किया। जिला पंचायत से स्वीकृत खड़ंजा निर्माण कार्य के शिलान्यास अवसर पर ग्रामीणों की उपस्थिति में विधायक ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

ग्राम बसारा में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य

आरती वर्मा भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक मनोज कुमार गुप्ता सहित भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। इसके बाद ग्राम दिवाली में मंदिर के पास खड़ंजा निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया। इस दौरान विधायक ने कहा कि सड़क और मार्गों के सुदृढ़ीकरण से ग्रामीणों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विकास कार्य शुरू होने पर विधायक का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने किया दो दिवसीय कृषक सेमीनार का शुभारंभ

(जीएनएस)।

पीलीभीत के कृषि विज्ञान केंद्र टांडा बिजनौर में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के तहत दो दिवसीय कृषक सेमीनार/गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक किसानों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभजिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। जिला उद्यान अधिकारी मृत्युंजय सिंह ने फल, फूल, सब्जी, हल्दी, मिर्च, लहसुन की खेती पर सरकारी अनुदान, पॉलीहाउस, नेट हाउस में हाई वैल्यू फसलें उगाने तथा ड्रिप-स्प्रिंकलर सिंचाई पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र व राज्य सरकार 75-90% अनुदान दे रही हैं।योजनाओं पर मार्गदर्शनवरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. ढाका ने जायद सब्जियों की खेती में निकाई-गुड़ाई व सिंचाई पर जोर दिया। पशु चिकित्साधिकारी ने गलाघोटू, अफारा, बुखार व पेट के कीड़ों से बचाव के उपाय बताए। वरिष्ठ गन्ना निरीक्षक ने गन्ना उत्पादन व ड्रिप सिंचाई पर सुझाव दिए, जबकि उप कृषि निदेशक ने परिवार को आत्मनिर्भर बनाने, पीएम किसान सम्मान निधि आवेदन व पराली जलाने के नुकसान पर चर्चा की। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना में लघु उद्यमियों को 35% तक सब्सिडी (अधिकतम 10 लाख) पर लोन की जानकारी भी साझा की गई।बीज वितरण व समापनअंत में जिलाधिकारी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को बीज वितरित किए। जिला उद्यान अधिकारी ने सभी का आभार जताया। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास, डॉ. एस.एस. ढाका, अन्य अधिकारी व स्टाफ उपस्थित रहे। पंजीकरण के लिए https://dbt.uphorticulture.in पर आवेदन करने को कहा गया।

ब्लाक स्तरीय उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड की सर्वोत्तम कैडेट रैली का किया आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कंपोजिट विद्यालय चिलौकी मे बुधवार को ब्लाक स्तरीय उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड की सर्वोत्तम कैडेट रैली का आयोजन किया गया कार्यक्रम मे पहुंचे खण्ड शिक्षा अधिकारी जैनेन्द्र कुमार को विद्यालय के बच्चो द्वारा गार्ड आफ आनर की सलामी दी गयी।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बीई ओ जैनेन्द्र कुमार ने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रमों के कराने से बच्चों में मानसिक, बौद्धिक, चारित्रिक और सामाजिक गुणों का विकास होता है उन्होंने विद्यालय परिवार की भूरि-भूरि प्रशंसा की बच्चो ने स्काउट गाइड और बुलबुल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस मौके पर ग्राम प्रधान सोमनाथ राजपूत जिला स्काउट मास्टर राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ए आर पी आशीष शुक्ला , सुरेश चंद्र , विश्वनाथ वर्मा , नरेंद्र कुमार सुमन वर्मा शालिनी स्वास्थ्य संगीता वर्मा ममता द्विवेदी गरिमा निहारिका सिंह राहुल कुमार रामहित वर्मा सहित

अभिभावकगण मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने न्यूरिया हुसैनपुर में मोती की खेती का किया उद्घाटन, किसानों को दिया प्रशिक्षण व लाभ की जानकारी

(जीएनएस)।

पीलीभीत, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत न्यूरिया हुसैनपुर में छह किसानों को मोती की खेती शुरू कराई गई। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव और उपायुक्त स्वतंत्र रोजगार वंदना सिंह के साथ पहुंचकर इस परियोजना का उद्घाटन किया।पहले चरण में ब्लॉक अमरिया के मिल सरैंदा पट्टी में किसान वीरपाल के तालाब में मोती की खेती हो चुकी है। दूसरे चरण में परमिला मिस्त्री, चमेली वाच्छड़, नीलिमा अग्रवाल, कश्मीर कौर कोंडेड जूलियन और मसूद हसन खान को लक्षित किया गया। डीआरपी सुनील कुमार ने महिलाओं को प्रशिक्षण दिया। प्रोजेक्ट को आनंद त्रिपाठी (निर्देशक, मणि एग्रो हब, लखनऊ) और डॉ. अयूब हुसैनी (सीईओ) ने निर्देशित किया।डॉ. अयूब और आनंद त्रिपाठी ने बताया कि 62 रुपये की एक सीप से दो मोती निकलते हैं। 10,000 सीप (लागत 6.20 लाख) से 12-18 माह में 20,000 मोती (मूल्य 20 लाख) तैयार होंगे, जिन्हें मणि एग्रो हब 100 रुपये प्रति मोती खरीदेगा। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार ने किया।जिलाधिकारी ने किसानों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और आनंद त्रिपाठी, डॉ. अयूब हुसैनी व प्रदीप कुमार गौतम को भी पुरस्कृत किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि अधिक लोग मोती की खेती अपनाएं। साथ ही, पीएम मत्स्य संपदा योजना के तहत बादल हलदर का बायोफ्लॉक तालाब और आशुतोष हलदर का लघु मत्स्य आहार मिल का निरीक्षण किया।